A–967

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MASL–201

M.A. Sanskrit (MASL)

(काव्यशास्त्र)

2nd Year Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पण्डितराज जगन्नाथ का विस्तार से परिचय दीजिए।

2. विस्तृत व्याख्या कीजिए :

   (क) 'तद्दोषो शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती क्वापि'।

   (ख) रीतिरात्मा काव्यस्य

3. काव्यहेतु की विस्तृत समीक्षा कीजिए।

4. आनन्दवर्धन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का प्रतिपादन कीजिए।

5. नाट्य साहित्य के उद्भव पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. काव्यशास्त्रीय परम्परा में आचार्य मम्मट के अवदान का उल्लेख कीजिए।

2. बाण की गद्य शैली की विवेचना कीजिए।

3. विभाव तथा अनुभावों को सोदाहरण प्रतिपादित कीजिए।

4. उपमा तथा रूपक अलंकारों में उदाहरण देते हुए भेद प्रस्तुत कीजिए।

5. अभिधा की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिए।

6. भामह और दण्डी की तुलनात्मक वर्णन प्रस्तुत कीजिए।

7. विश्वनाथ का परिचय दीजिए।

8. धनञ्जय के विषय में विस्तार से परिचय दीजिए।

****